God Vishnu Aarti in Marathi & Hindi | श्री विष्णूची आरती मराठी आणि हिंदीत

Marathi

आवडी गंगाजळे देवा न्हाणीलें |
भक्तीचे भूषण प्रेमासुगंध अर्पिले |
अहं हा धूप जाळू श्रीहरीपुढे |
जंव जंव धूप जळे |तंव तंव देवा आवडे |
रमावल्लमदासे अहं धूप जाळिला |
एकारतीचा मग प्रारंभ केला |
सोहं हा दीप ओवाळू गोविंदा |
समाधी लागली पाहतां मुखारविंदा |
हरीख हरीख हातो मुख पाहतां |

चाकाटल्या ह्या नारी सर्वही अवस्था |
सदभवालागी बहु हा देव भुकेला |
रमावल्लभदासे नैवेद्य अर्पिला |
फल तांबूल दक्षिणा अर्पीली |
तयाउपरी नीरांजने मांडिली ||
आरती आरती करू गोपाळा |
मी तू पण सांडोनी वेळोवेळा || धृ ||
पंचप्राण पंचज्योती आरती उजळिली |
दृश्य हे लोपलें तथा प्रकाशांतळी |
आरतीप्रकाशे चंद्र सूर्य लोपलें |
सुरवर सकळीक तटस्थ ठेले |
देवभक्तपण न दिसे कांही |
ऐशापरी दास रमावल्लभ पायीं ||

God Vishnu Aarti in Hindi

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी! जय जगदीश हरे।
भक्तजनों के संकट क्षण में दूर करे॥

जो ध्यावै फल पावै, दुख बिनसे मन का।
सुख-संपत्ति घर आवै, कष्ट मिटे तन का॥ ॐ जय…॥

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूं किसकी।
तुम बिनु और न दूजा, आस करूं जिसकी॥ ॐ जय…॥

तुम पूरन परमात्मा, तुम अंतरयामी॥
पारब्रह्म परेमश्वर, तुम सबके स्वामी॥ ॐ जय…॥

तुम करुणा के सागर तुम पालनकर्ता।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता॥ ॐ जय…॥

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय! तुमको मैं कुमति॥ ॐ जय…॥

दीनबंधु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे॥ ॐ जय…॥

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।
श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा॥ ॐ जय…॥

तन-मन-धन और संपत्ति, सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा॥ ॐ जय…॥

जगदीश्वरजी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत शिवानंद स्वामी, मनवांछित फल पावे॥ ॐ जय…॥